COLLOC .:

ক্তুব্ ভ্রনাথা ক্তুব্ ভ্রনাথা ক্তুব্ ভ্রনাথা ॰ to maintain continuity; to be continuous; to be ongoing ॰ ক্তুব্ ক্রন্ত ভ্রন্ত ভ্রনাথা দেন দিন্দির ভূব ভ্রনাথা দেন দিন্দির ভ্রনাথা দিন্দির দিন্দির ভ্রনাথা দিন্দির ভ্রনাথা দিন্দির ভ্রনাথা দিন্দির ভ্রনাথা দিনার ভ্রানাথা দিনার দিনার ভ্রানাথা দিনার দিনার

ক্রমান্ত্র ক্রমান্ত ক্রমান্ত্র ক্রমান্ত্র ক্রমান্ত ক্রমান্ত

त्रेग्र परः क्रम्या त्रेग्र परः क्रम्या त्रेग्र परः क्रम्या ॰ to be well made; to properly formulate ► तर्दे इद्यार त्रांग्र पर्वेग्रा परः क्रम्यार परं में दा त्रेग्र स्थार क्रम्यार परं में दा त्रेग्र स्थार क्रम्यार क्रम्य परं क्रम्यार क्रम्य क्रम्य क्रम्य धारे क्रम्य क्रम्

2. arch. to borrow; to make a loan

क्या ॥ क्या क्या

to prepare ৽ নি ব্ৰণ শার্নি ন্রম স্ক্রমণ স্ক্র শী এনে ব্রম নেরশ্বাম দি স্কুর স্ক্রাস্থনে নি এনে ব্রেম্বাম ক্রম মাঁ Thus, the red-faced [people] uprooted [themselves] from their own lands, and in the month of Bhādrapada, prepared to go to Kaṃsadeśa.

क्या ।।। क्ष्महा क्षम

 sions [are] lacking in reliability ... {KLU}

ङ्ग' हेन ॰ caus.imp. to command; to compel ॰ (बेक्): {PU} pīdāpaya (= 'tshir du chug) ৮ গ্রন্থ বিক্রা: {PU} pīdāpaya (= 'tshir du chug) ৮ গ্রন্থ বিক্রা: বিশ্বর বিশ্বর

愛て、」。 II 愛て、「愛て、「

neg. to not be small; to be considerable; to be numerous ॰ {KD} analpa ▷ আন্তাম্ নি ট্র্রের ক্রিনা The expanse of branches is considerable. {KD}

colloc.:

রমান্ত্রনা রমান্তরনা রমান্তরনা ত to be weakened • {YB} durbala ▷ নামান্তরনার নির্দিশ্ব বিশ্ব বিষ্ণালী a physical constitution weakened in and of itself or by other [causes], and ... {YB}

to have little; to have few ▷ দুলৃ র্মানে নির্বাদিন ক্রিলান ক্রিলান

कुर्। ॥ कुर्। कुर्।

to enter into; to insert; to put (in) o {BCA}